CIVIC ACTION TEAMS

Nepal Coronavirus CivActs Campaign

अंक #४६

०८ ।४ ।२०७७

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

२०७७ साउन ५ गतेके मन्त्रिपरिषदद्वारा लकडाउन सम्बन्धी कएलगेल महत्वपूर्ण निर्णयसभ

२०७७ साउन ६ गते मध्यराईत सँ लकडाउन खुला

कोभिड - १९ के रोकथाम, नियन्त्रण आ ईलाज सम्बन्धी कएलगेल आरो व्यवस्था यथावत रहत आ २०७७ साउन ३२ गते तक नेपालके सिमानामे रहल सब प्रवेश विन्दु बन्द रहत ।

साउन १५ गते सँ संचालन होबवला

ट्रेकिङ, ट्राभल, पर्वतारोहण लगाएतके पर्यटन व्यवसाय, होटल, रेष्टुरेण्ट, सामुहिक भोज, पार्टी, सेमिनार या आरो सामुहिक जमघट होबवला काज मुदा कर नै पाएब

भाद्र १ गते सँ संचालन होबवला

- छोट, मध्यम आ लम्बा दुरीमे संचालन होबवला सार्वजनिक यात्रुवाहक साधन
- आन्तरिक तथा अन्तरराष्ट्रिय उडानसभ
- अन्तरराष्ट्रि खेलकुदके प्रशिक्षण तथा प्रारम्भिक चरणके खेलसभ
- विद्यार्थी भर्ना, शैक्षिक आ आरो परिक्षा संचालन

दोसर सूचना सँ निर्धारित मिति सँ संचालन होबवला

विद्यालय, कलेज, द्युसन केन्द्र, तालिम केन्द्र, सभा, गोष्ठी, तालिम, सेमिनार, प्रदर्शन, भेटघाट तथा सम्मेलन, सिनेमा हल, पार्टी प्यालेस, डान्स बार, सैलुन, ब्युटी पार्लर तथा स्पा, स्वीमिङ पुल, व्यायामशाला, हेल्थ क्लव, सब प्रकारक धार्मिक आ सामाजिक स्थल, पुस्तकालय, संग्रहा(लय आ चिडियाखाना

स्रोत: https://mocit.gov.np/categorydetail/cabinet-2077-04-05

नेपाल अपडेट

काग्रेके बिकट महाभारत गाउँपालिका गोकुलेमे गाउँपालिका प्रमुख कान्छालाल जिम्बके पहलमे प्रसौती जनानीके उद्धार करैत

तस्बिर: केशवराज पौडेल

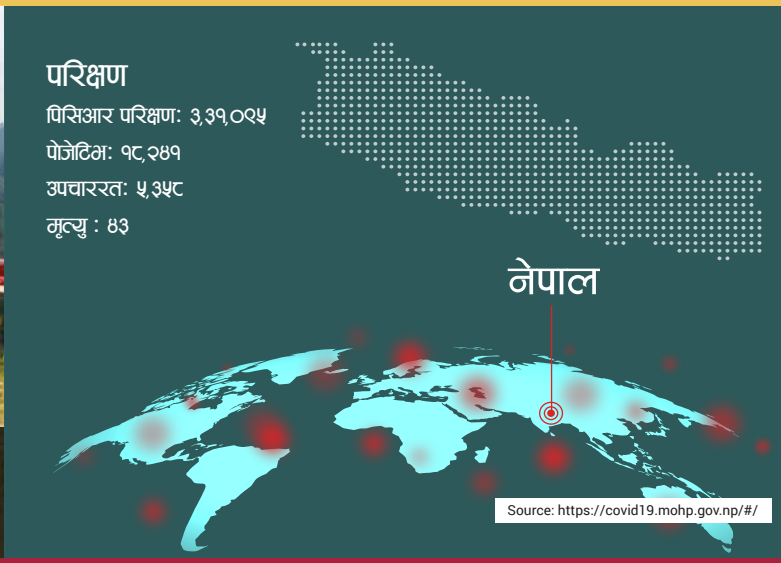

हल्ला र तथ्य

स्थानीय तहे सँ कामदार कोरिया पठारहल अछि कहादन ।

किछ स्थानीय तहसभ कोरिया सरकारके फरक फरक सरकारी तथा गैह्र सरकारी निकायसभसंगे सिधे सम्पर्क तथा समझदारी कलक रोजगारीमे पठारहल बुझवामे आयल अछि तै एना नै कर आ कराब श्रम तथा रोजगार मन्त्रालय आग्रह केने छै । कोरिया कामदार पठाबैतकाल नेपाल सरकार आ गणतन्त्र कोरिया बिच सम्पन्न भेल समझदारी अनुसार भ्एक मार्फत मात्रे नेपाली कामदार पठाब सकके व्यवस्था छै । तहिना कलक, कोरियन सरकार सँ जारी भेल ‘भ(ठ रष्कब’ के आधारमे वैदेशिक रोजगार विभागसँ व्यक्तिगत श्रम स्वीकृती ललक सेहो जाय सकके व्यवस्था छै । अई बाहेकके काम वैदेशिक रोजगार ऐन, २०६४ आ वैदेशिक राजगार नियमावली, २०६४ विपरित हेतै ।

स्रोत: https://www.mofaga.gov.np/uploads/notices/Notices-20200720155256453.pdf

विदेशसँ आएल आदमीके सरकार होम क्वारेन्टाईनमे रह देब कहने छै । लेकिन, होम क्वारेन्टाईनमे रहके मापदण्ड नै पुगवलासभ कि करत?

विदेशसँ नेपाल फिर्ता आएल आदमीसभके अपने घरमे निर्धारित मापदण्ड पुरा कलक होम क्वारेन्टाईनमे रह पाबी कहि आग्रह केलापर, सम्बन्धित स्थानीय निकायके सहमती आ प्रत्यक्ष निगरानीमे रहके व्यवस्था सहित होम क्वारेन्टाईनमे पठा सकैत अईछ । लेकिन, निर्धारित मापदण्ड अनुसार कोनो आदमीके होम क्वारेन्टाईनमे रह नै सकवला अवस्था भेलापर नेपाल सरकारद्वारा तोकलगेल सार्वजनिक क्वारेन्टाईनमे रहके व्यवस्था मिलाबके जिम्मेवारी स्थानीय सरकारके हेतै ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1W34BbBTqr1g7Hzwut5JhuwtjZLkKAXHp/view

कोरोना सँ सेहो अखन त बाईढ आ भूस्खलन सँ धनजनके बेसी क्षति भलरहल छै । तेहन आदमी तथा परिवारके केहन राहतके व्यवस्था छै ?

विपदसँ घर, बहाल, आवास नष्ट भेलापर, खाद्यान्न बाली, तथा जग्गा जमीन या दोकान व्यवसाय समेत नोक्सानी भेलामे तत्काल गुजाराके लेल प्रति परिवार ५ कोई तक सदस्य भेलापर रु.१५ हजार आ ५ कोई सँ बेसी सदस्य भेलामे रु. २० हजार सम्भव भेलातक सरकार घटना स्थलेमे उपलब्ध कराओत । तहिना कलक, विपदके घटनामे पईरक कोनो परिवारमे एककोई के मृत्यु भलामे रु. २ लाख, ओहि परिवारमे आरो आदमीके सेहो मृत्यु भेलापर प्रति आदमी थप रु. एक लाखके दर सँ सरकार राहत रकम उपलब्ध कराओत । लेकिन, परिवारके सब सदस्यके मृत्यु भेलापर मुदा राहत उपलब्ध नै कराओल जायत सेहो कहने अईछ ।

स्रोत: https://www.moha.gov.np/post/press-release-2032

सरकार विद्यालय तथा क्याम्पसके पठनपाठन निषेधे केने छै । लेकिन, फेरो क्याम्पससभ सुचारु हेतै

विद्यार्थीके नियमित पठनपाठन, पुस्तकालय संचालन लगाएतके नेपाल सरकारद्वारा निषेध कएलगेल काज बाहेक प्रशासनिक लगाएत आरो काज संचालन कर कहने छै । ओ नियमित काज संचालन कर सरकारद्वारा जारी करने स्वास्थ्य सुरक्षा निर्देशनके मुदा अनिवार्य पालना कर परतै । लकडाउनके अवधिमे शिक्षकके सार्वजनिक छुटट्ी दैत आईबरहल छलै, लकडाउन खतमभेला संगे ऊ छुटट्ी सेहो खतमभेल जनतब देने छै । एकर अर्थ, ऊ शिक्षक आ कर्मचारीसभ सरकारद्वारा कहलगेल अनुसार भाद्र १ गतेके बाद संचालन होबवला परिक्षाके तैयारी लगाएत आरो काजमे लाग परतै ।

स्रोत: https://cutt.ly/za8YF47

WhatsApp मार्फत हमरासभके विषयमे नियमित ताजा जानकारी पाब

१. आहाके कन्ट्याक्ट लिस्टमे +2760806146 एड करु
२. उपरका कन्ट्याक्ट नम्बरमे Nepal लिख्क म्यासेज पठाउ

COVID-19

को बारेमा बुझ्न नि:शुल्क हटलाईन

viamo द्वारा प्रस्तुत

कोभिड - १९ सम्बन्धि मंगानियेमे जानकारी लेबके लेल आहाके NTC सिमकार्ड सँ

३२१०० मे डायल करु

accountabilitylab NEPAL

Open Migration

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमा रहेका नेपाली कामदार

साउदी अरब	कुवेत	बहराईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,३४,४५१ नेपाली	७१,१२३ नेपाली	२६,००० नेपाली	४,०६,२१७ नेपाली	२,२४,२०५ नेपाली	१७,०५७ नेपाली	५,००,००० नेपाली	३८,८६२ नेपाली
२,५८,१५६ संक्रमित	६१,१८५ संक्रमित	३७,६३७ संक्रमित	१,०७,८७१ संक्रमित	५७,७३४ संक्रमित	७२,६४६ संक्रमित	८,८४० संक्रमित	१३,९३८ संक्रमित
१,७५० नेपाली संक्रमित	१५०० नेपाली संक्रमित	४५१ नेपाली संक्रमित	२०,६०० नेपाली संक्रमित	२००० नेपाली संक्रमित	४५ नेपाली संक्रमित	८१ नेपाली संक्रमित	
९ मृत्यु भएका नेपाली	७ मृत्यु भएक नेपाली	३ मृत्यु भएका नेपाली	१६ मृत्यु भएका नेपाली	३० मृत्यु भएका नेपाली	१ मृत्यु भएका नेपाली		

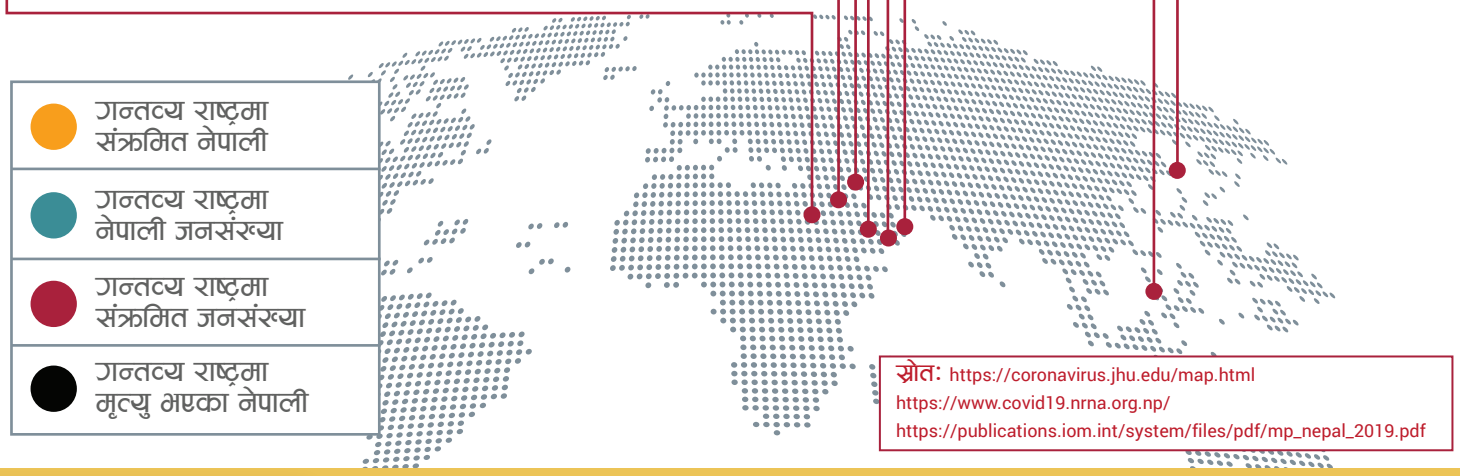

स्रोत: https://coronavirus.jhu.edu/map.html
https://www.covid19.nrna.org.np/
https://publications.iom.int/system/files/pdf/mp_nepal_2019.pdf

ShramikSanjal

अवस्था सुधरैत जारहल अवस्थामे खाडिके देशसभ विदेशी कामदार लक्षित नियमसभ फेररहल

अगास्तके १ तारिख सँ नेपालसँ अन्तरराष्ट्रिय उडान शुरु होबवला छै ।

कतार

४० टा देशके कम जोखीमयुक्त देशके सूचिमे राईखक कतार आब सकत कहल गेल छै । ओई सूचिमे नेपाल नै परल छै । हरेक २/२ सप्ताहमे अद्यावधिक होबवला अई सूचीमे नेपाल परलाके बाद नेपाल सँ सेहो कतार जा सकैत छी । अखनके अवस्थामे कतार जाईए परल त ईन्ट्रि पर्मिट (प्रवेश अनुमति) लेब परत । साथे ४८ घण्टासँ कमके PCR Report सेहो भेनाई जरुरी छै ।

यू.ए.ई.

यू.ए.ई.के भिषा भेल आ यू.ए.ई. सँ बाहर रहलसभके यू.ए.ई. आबैतकाल GDRFA अथवा ICA फारम भर परत । ओही क्रममे GDRFA फारम भरैतकाल, पहिले रेसिडेन्स भिषा आ पासपोर्टके प्रतिलिपी चाहि छलै त, अखन कम्पनी सँ नो अब्जेक्सन सर्टिफिकेट आ प्रतिज्ञापत्र सेहो आवश्यक भेल छै । यदि फ्रि जोन के भिषा छै त फ्रि जोनके प्रमाणित कागजात सेहो चाहि ।

कुवेत

कुवेत बाहर भेल आ भिषा खतम भेलसभके फेरो कुवेत फिर्ता आबके छै तै अवस्थामे नयाँ भिषा लगाब परतै । एहन नियम सँ ४०,००० आप्रवासी कामदार प्रत्यक्ष प्रभावित हेतै से जनाओल गेल छै । कुवेतद्वारा अगास्त १ सँ बाहर भेल नागरिकके आबके लेल खुला करत जनेने अछि ।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

संघिय सरकार

जम्मा

तिन पटक गरेर नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याईएको

करिब १ अर्व ४८ करोड

कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण, रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमा जम्मा

करिब २ अर्व २६ करोड

दाता

ए.डि.बि.
करिब ३० अर्व ३३ करोड

विश्व बैंक
करिब ३ करोड ४८ लाख

आई.एम.एफ.
करिब १५ अर्व ८८ करोड

युरोपियन युनियन
करिब ९ अर्व ९४ करोड

खर्च

कोरोना भाईरस विरुद्धका गतिविधिमा नेपाल सरकारले गरेको खर्च स्वास्थ्य मन्त्रालयलाई निकासा

करिब ४ अर्व १० करोड

रक्षा मन्त्रालय माफर्त कोरोना रोकथाम र नियन्त्रणका लागि चाहिने स्वास्थ्य उपकरण खरिदको लागि

२ अर्ब ३४ करोड निकासा

प्रदेश सरकार

प्रदेश	प्रदेश १	प्रदेश २	बागमती प्रदेश	गण्डकी प्रदेश	प्रदेश ५	कर्णाली प्रदेश	सुदुरपश्चिम प्रदेश
जम्मा रकम	करिब २९.४ करोड	करिब २६.६ करोड	करिब ४२.९ करोड	करिब १८.३ करोड	करिब १५.६ करोड	करिब २५.४ करोड	करिब ४२.५ करोड
खर्च गरिएको रकम	करिब १९.३ करोड	करिब १३.३ करोड	करिब १३.६ करोड	करिब १५.४ करोड	करिब ७.७९ करोड	करिब २३.९ करोड	करिब ३६.४ करोड

आ.व. २०७५/७६ मे सुदूरपश्चिम प्रदेशके बेरुजुके अवस्था

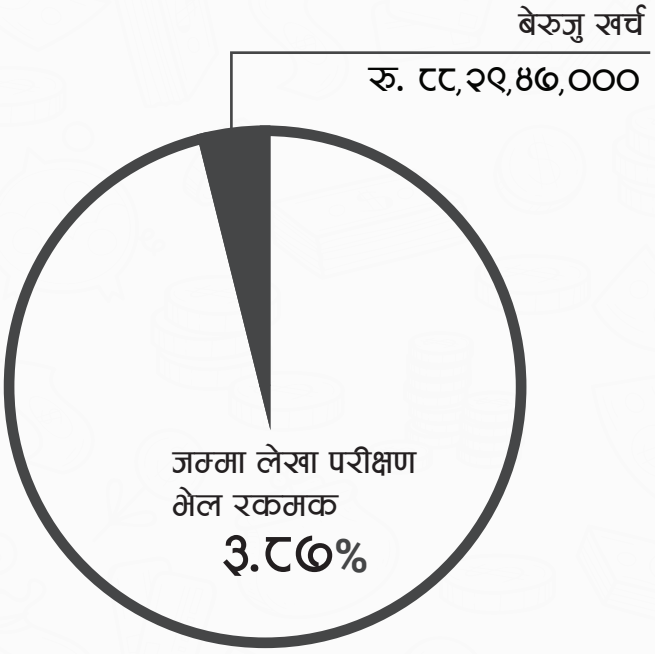

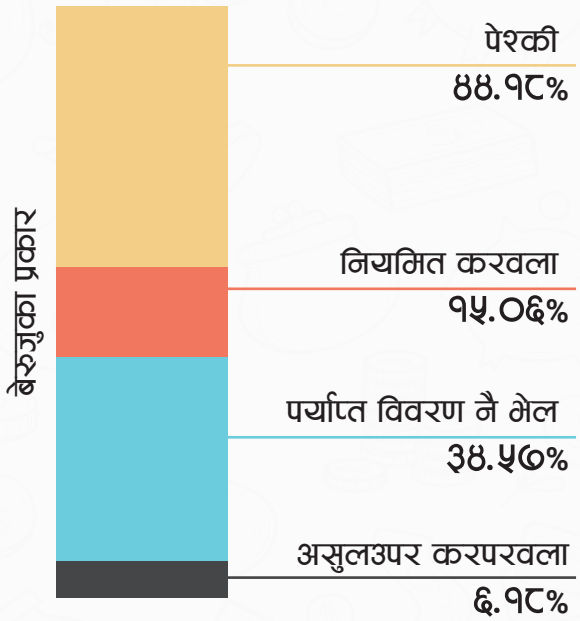

जम्मा लेखा परीक्षण करलगेल रकम

२२ अर्ब ८ करोड

जम्मा लेखापरीक्षण करेने कार्यालय **१२७**

बेरुजु देखाएल कार्यालय **७०**

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

आर्थिक वर्ष २०७५/७६ मे सुदूरपश्चिम प्रदेशके खर्च बेरुजु देखाएल मन्त्रालयके तुलनात्मक अध्ययन

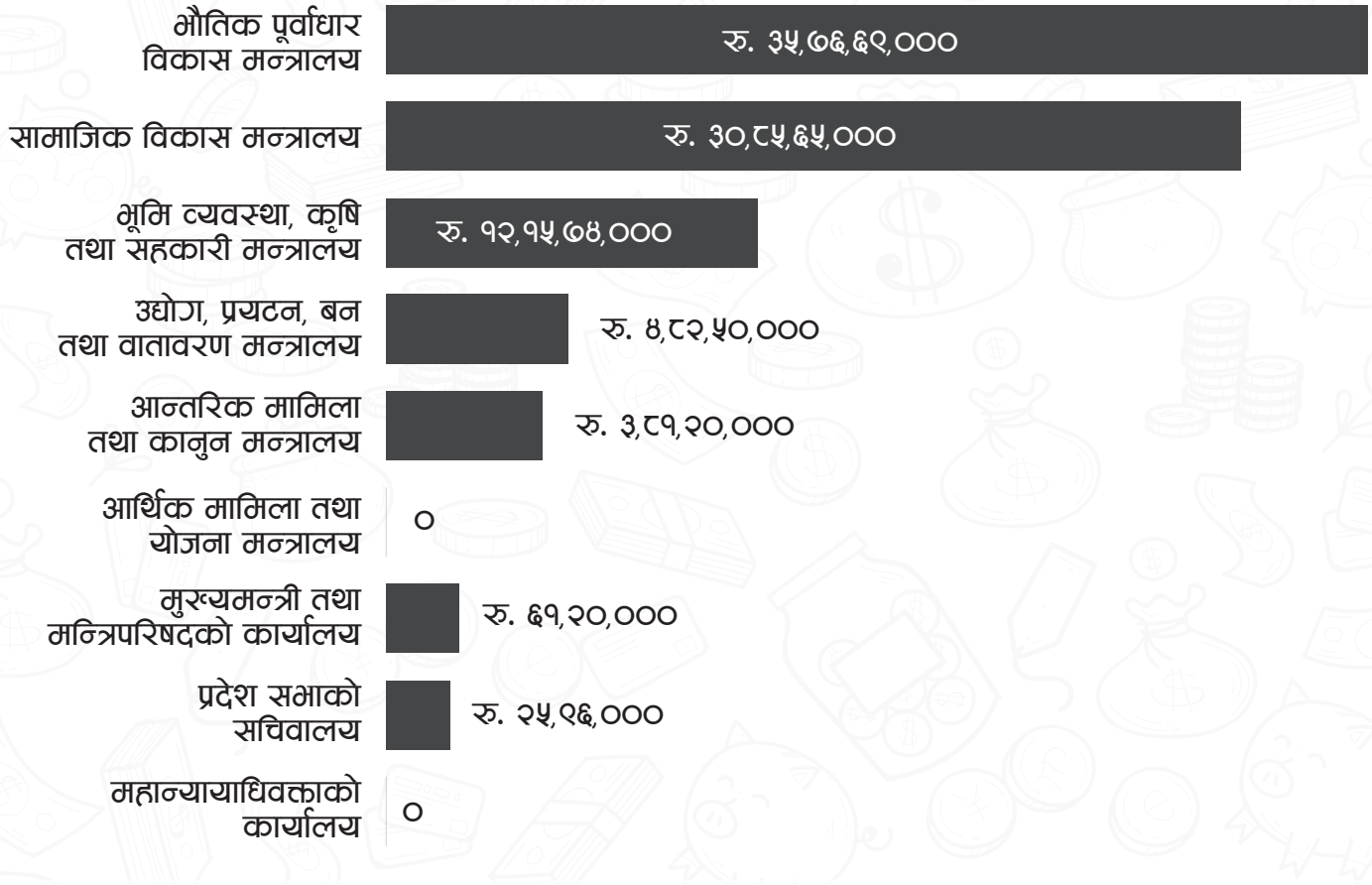

सुदूरपश्चिम प्रदेशके जम्मा ८८ करोड ३० लाख खर्च बेरुजु देखाईत छै । जे कि ओकर जम्मा लेखा परीक्षण भेल रकमके ३.८७% छै । करिब ५६% (१२७ मे सँ ७०) कार्यालयमे खर्च बेरुजु भेल देखाईत छै, जे कि कनि बेसी छै । संघिय सरकारे जेहन, सुदूरपश्चिम प्रदेशमे सेहो पेश्कीमे बेरुजु (४४%) बेसी छै । तहिना कलक, पर्याप्त विवरण नै भेल बेरुजु करिब ३५% रहल छै । पर्याप्त विवरण पेश नै कलक केने खर्चसँ कार्यालयके नैतिकता उपर प्रश्न उठाबैत छै । एकरा रोकके लेल तत्काल पहल केनाई जरुरी छै ।

आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय आ महान्यायाधिवक्ताके कार्यालयके अवस्था किछ सन्तोषजनक छै, जतँ कोनो बेरुजु नै छै । यद्यपी आरो मन्त्रालयके बेरुजुके अवस्था सँ मुदा निरास बनाबै छै । भौतिक विकास पूर्वाधार मन्त्रालय आ सामाजिक विकास मन्त्रालयके समग्र बेरुजु ७५% भेनाई सँ गम्भीर प्रश्न उठेने छै । ई मन्त्रालयसभ बइका रकम खर्च नै करलाके बादो प्रदेशके विकासमे ओतबे जिम्मेवार छै । ई मन्त्रालयमे देखाएल बेरुजुके कारण सँ प्राथमिकताके क्षेत्रमे रकम नै पुगिरहल छै । तहिना कलक आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय आ भूमिव्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयमे भेल उच्च बेरुजु सँ प्रदेशके सुरक्षा व्यवस्था आ कृषि विकासमे गहन प्रश्न उठेने छै ।

नोट: हमरासभके उद्देश्य सरकारद्वारा कयलगेल बढिया काज आ छुट्याओलगेल बजेटके विषयमे सबके जानकारी होई आ तेकरबाद अई विषयमे नागरिक आ आरो सरोकारवालाके बीचमे बातचित भलक सरकारके पर्याप्त पृष्ठपोषण प्राप्त होई से अछि । एत प्रस्तुत विवरण पूर्ण नै छै । उपलब्ध माध्यमसँ संग्रह कलक राखलगेल अछि । आरो सही तथ्यांक संकलन कलक परिमार्जन करैत जायब । अईमे सबकोईके सहयोग क देब लेल आग्रह करैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

दक्षिण एशियामे कोभिड - १९ के कारण रेमिट्यान्स्मे गिरावट आ ओकर असर

समग्रमे कुल रेमिट्यान्सके करिब २२% रेमिट्यान्स् दक्षिण एशियामे मात्रे अबैत छै । जे कि अगिला वर्षके आँकडा देखबै त १२२.४ अरब अमेरिकी डलर छै । एना देखला सँ, अई महामारीसँ दक्षिण एशियाली मुलुकके अर्थतन्त्रके धरासयी बनादेने छै । रेमिट्यान्स् प्रवाहमे बहुतेके गिरावटसँ अर्थ व्यवस्थामे बइका असर पारने छै । माहामारीके कारण रोजगारदाता देशसभमे परल आर्थिक संकटके प्रभाव प्रत्यक्ष रुपमे रेमिट्यान्स प्राप्त करवला देशसभमे पईररहल छै ।

रेमिट्यान्स् सँ दक्षिण एशियाली मुलुकसभमे गरिबी घटाब, आदमीके जीवन उत्थान कर आ बालश्रम घटाब महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ने छै । एतके श्रमिकसभ बहुतेके संख्यामे खाडी मुलुकमे जाईत छल । विश्व बैंकके तथ्यांक अनुसार, दक्षिण एशियामे रेमिट्यान्सके प्रवाहमे २२.१% सँ गिरावट आबके अनुमान कएलगेल छै।

अखनके आर्थिक मन्दी सँ दक्षिण एशियाली मुलुकमे पुँजी प्रवाहके सीमित कचुकल छै, लेकिन अहु सँ बेसी रेमिट्यान्स्मे कोभिडके प्रभावसँ खाद्यान्न, स्वास्थ्य सेवा आ आधारभुत आवश्यकतासभ पुर्ति करवला आदमीसभके क्षमतापर प्रत्यक्ष असर पारने छै । एफएओ लाखौं आदमी भुखमरीके चपेटामे परसकके आँकलन केने छै । तहिना कलक युनिसेफके रिपोर्ट सँ लाखौं धियापुतासभ कुपोषणके शिकार होबके अनुमान केने छै । तसर्थ, रेमिट्यान्स सँ कोनो राज्यके अर्थ व्यवस्थाके मात्रे असर केने नै छै । अईसँ एतके परिवारके जिविकोपार्जनमे सेहो ओतबे असर करने छै ।

अखनके अवस्थामे फरेन डाईरेक्ट ईन्भेष्टमेण्टमे आएल गिरावट सँ सेहो दक्षिण एशियामे रेमिट्यान्स् बेसी महत्वपूर्ण छै । तसर्थ, दक्षिण एशियामे रेमिट्यान्स्मे आएल गिरावटसँ राज्यके अर्थतन्त्रके बहुते असर पारने छै ।

दक्षिण एसियाक देशसभमे कोभिड - १९ के कारण रेमिट्यान्स् सँ परल असर

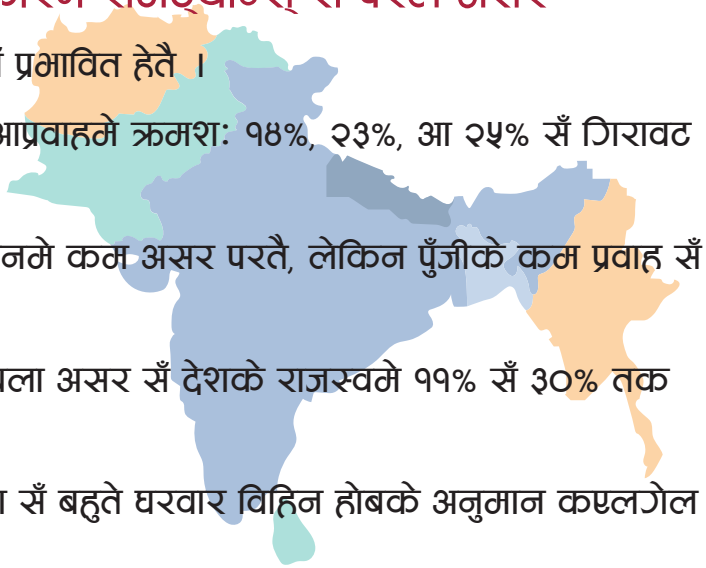

- युद्धसँ ग्रस्त अफगानिस्तानके अर्थतन्त्र नै बढिया सँ प्रभावित हेतै ।
- नेपाल, भारत, श्रीलंका, बंगलादेशमे रेमिट्यान्सके आप्रवाहमे क्रमशः १४%, २३%, आ २५% सँ गिरावट एतै ।
- रेमिट्यान्स पर निर्भर भुटानके कुल गार्हस्थ उत्पादनमे कम असर परतै, लेकिन पुँजीके कम प्रवाह सँ अईसँ सम्बन्धित उद्योगके असर करतै ।
- माल्दिभ्समे एकठा मात्रे आश्रित पर्यटन उद्योगमे परवला असर सँ देशके राजस्वमे ११% सँ ३०% तक गिरावट आबसकके अनुमान कएलगेल छै ।
- पाकिस्तानमे खाडीसँ आएल आप्रवासी बेरोजगार भेला सँ बहुते घरवार विहिन होबके अनुमान कएलगेल छै ।

मनिस जंग पुलामी

लेखक त्रिभुवन विश्वविद्यालय अन्तरगत अन्तरराष्ट्रिय सम्बन्धका विद्यार्थी हुन् ।

फ्रन्टलाईनर्स भोईसेस्

डा. के.एन. पौडेल

कोभिड - १९ फोकल पर्सन

कर्णाली प्रादेशिक अस्पताल

"नेपालमे कोभिड-१९ के केस देखाएल २ महिनातक सेहो कर्णालीमे केस देखाएल नै छलै । हमरासभके अनुमान केने सँ बहुते आदमीसभ भारत सँ कर्णाली प्रदेशमे एलाके बाद, संक्र(मितके संख्यासेहो तहि अनुसार बढ्लै । साथे मृत्युदर सेहो बहुते छलै । स्वास्थ्यकर्मीसभ डराई छलै । तेहन अवस्थामे हुनकासभके उत्प्रेरित कलक ईलाजमे लगाब परै छलै । तहि क्रममे हम अपने कोरोना संक्रमित भगेलहु । लेकिन हमरासभके लक्ष्य प्रदेशके स्वास्थ्य सेवाके नमूना बनाबके छै । हमसभ लम्बा समयसँ कर्णालीमे काज कलरहल आ अई कठिन परिस्थितीमे आरो गम्भीरताके साथ काज करपरत तै भावना हमरासभमे अईछ । अखनके अवस्था धिरे धिरे सामान्य भलरहल छै, लेकिन तैयो हमसभ तैयारी अवस्था मे छी । युरोप अमेरीका जेहन एकदिनमे हजारों बिमारी निमोनिया भलक आएत त कि करब कहिक तैयारी करहल छी ।"

जिवानन्द पाण्डे

हेल्थ असिस्टेन्ट

बबई हेल्थ डेस्क, सुर्खेत

"बबई हेल्थ डेस्क कर्णाली प्रदेशके मुख्य प्रवेशद्धारमे रहल हेल्थ डेस्क छै । जतँ हम ४ महिना काज केलौ । शुरुवातमे स्थानीय आ प्रहरी प्रशासनसँ सेहो बढिया सहयोग नै भेल । जखन हमहीसभ क्वारेन्टाईनमे रहलौ, ओत सेहो दु:ख भोगलौ । हमरासभके जिम्मेवारी चुनौतीपूर्ण होईतो हमरासभके जिम्मे(वारी हमरासभके काजकर उत्प्रेरित करैत रहल । असार मसान्त सँ हमरासभके करार खतम भेल छै । अखन सब हेल्थ डेस्क बन्द भेल छै । कठिन परिस्थीतीमे सेहो जानके बाजी लगाक काज केने बापत सरकार थप सेवा सुविधा देब कहने छलै, लेकिन ऊ सेवा सुविधा हमसभ नै पेलौ । अईसँ कनि निराश बनेने अईछ ।"

मोहनमाया ढकाल

उप-प्रमुख

वीरेन्द्रनगर नगरपालिका, सुर्खेते

"विदेशसँ आदमीसभ आब लगलाके बाद हमरासभके क्वारेन्ट(ाईन व्यवस्थापन करमे कठिनाई भेल । समुदायके आदमीसभ हमरासभके बस्तीके नजिकके विद्यालयमे क्वारेन्टाईन नै बनादैतौ त होईतै कहैत छल । बस्तीमे आईबगेलाके बाद सेहो हमरेसभके व्यवस्थापन कर परत कहिक सम्झेलौ आ क्वारेन्टाईन स्थापना करमे सफल सेहो भेलौ । जखन हमसभ क्वारेन्टाईनमे जाईछलौ, विदेशसँ फिर्ता आएलसभ कहैत छल,"बइका महामारी आ संकटके समयमे अन्तिम सत्य घरे होईत छै ।" अईसँ आरो हमरासभके हुनकासभके व्यवस्थापन कर बेसी जिम्मेबार बनेलक ।"

सही सूचना

कि नेपालमे दैनिक संक्रमितके संख्या घटले छै त ?

जुलाई महिनामे भेल पिसिआर परीक्षण

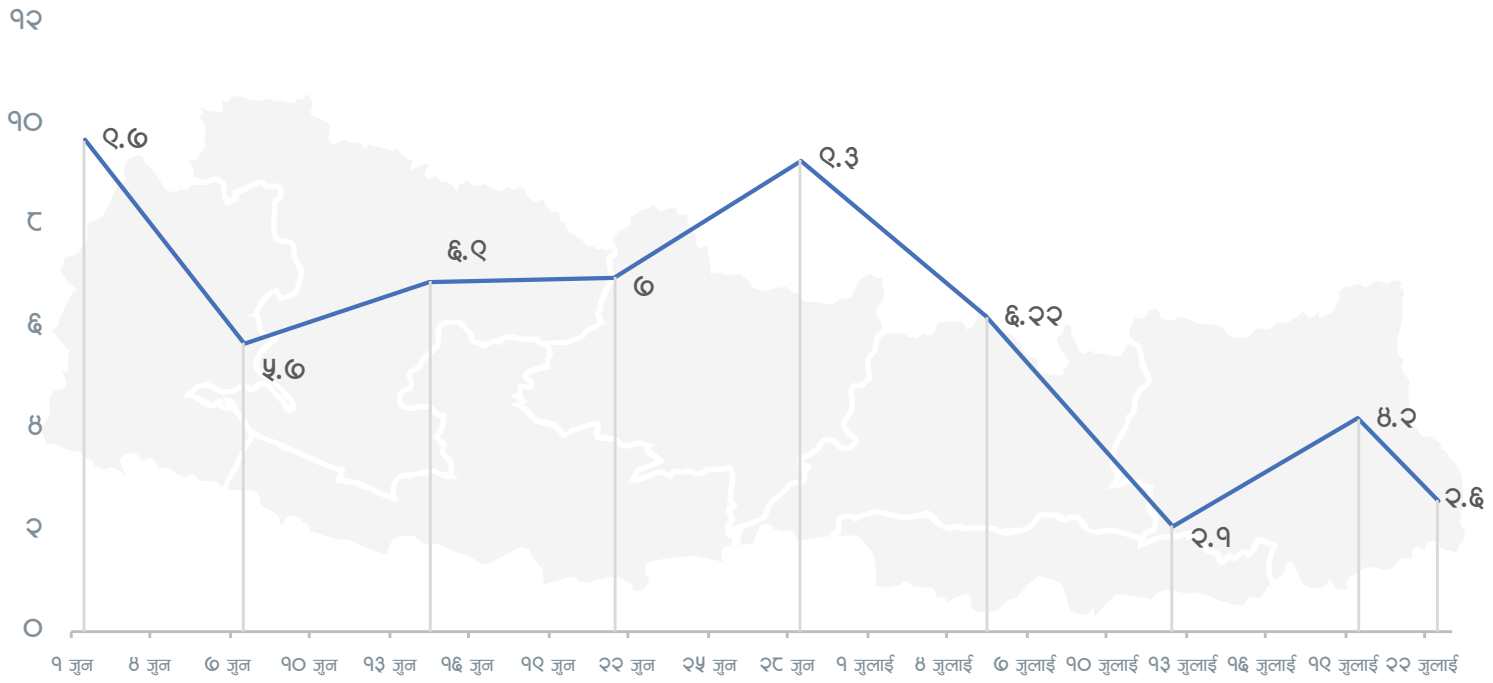

उपरका ग्राफसँ २०२० जुन महिना ईम्हर कोभिड-१९ के साप्ताहिक रुपमे कएलगेल जम्मा परीक्षण आ तै मे सँ संक्रमण पुष्टि भेलके संख्याके देखाबैत छै । अई सँ संक्रमण पुष्टि होबके दर धिरे धिरे घटि रहल देखाबैत छै । एकरा नेपालमे कोभिड-१९ के संक्रमण कम होईत गेल संकेतके रुपमे सेहो लेब सकैत छी । यद्यपी, परीक्षणके दायरा नै बढेनाई आ अप्रभावकारी खोजपइतालसँ लेकिन प्रतिकार्यमे सुधार करके बहुते जगह छै कहि देखाबैत छै ।

स्रोत: HEOC, MoHP, SitRep

DISCLAIMER

एहि अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतरास संस्था तथा आदमी, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स (समुदायमे आगु आबिक काज करवलासभ) आ सिभिक एक्सन टिम (नागरिक कार्य समूह) द्वारा अहि मई महिना भितर २००० सँ बेसी आदमीसंगेके बातचितसँ संकलन कएलगेल अछि । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ चयन कएलगेल अछि । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मितितक सत्य अछि ।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal.**

accountabilitylab communities

@CivicActionTeams @civacts @CivActs

CivActs | Email: civactsnp@accountabilitylab.org | Phone: 9851203219